बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-381
13/06/2026

बिहार के विकास की नयी उड़ान में उद्योग, निवेश और जनभागीदारी बनेगी सबसे बड़ी ताकत :– मुख्यमंत्री

मुख्य बिन्दु :–

- 24 घंटे में 20 घंटे हम सबको काम करना होगा। न खायेंगे, न खाने देंगे, न सोयेंगे, न सोने देंगे, तभी बिहार समृद्ध होगा।
- उद्योग स्थापित करने के लिए 30 दिनों के अंदर मिलेगा क्लियरेंस।
- बिहार को समृद्ध बनाते हुये हमें अपने गौरवशाली अतीत को पुनः प्राप्त करना है।
- बिहार में 6 लाख 25 हजार एकड़ भूमि पर 12 नई टाउनशिप विकसित किया जा रहा है। जिसमें 6.5 लाख करोड रुपए का निवेश आने वाला है।
- बिहार से जुड़े उद्योगपति, व्यवसायी, चार्टर्ड एकाउंटेंट, कम्पनी सेक्रेट्री एवं वित्तीय विशेषज्ञ राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास में महत्पवूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

पटना, 13 जून 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज पटना स्थित बापू सभागार में जी0 बिजनेस द्वारा आयोजित 'भरोसे के च्वाइस – पटना एडिशन' के 11वें संस्करण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। जी0 बिजनेस के प्रबंध सम्पादक श्री अनिल सिंघवी एवं च्वाइस इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री कमल पोद्दार ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम अपने आप में अनोखा है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिये 15000 से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश को विकसित बनाने के लिए निरंतर विकास कार्य कर रहे हैं। मेरा मानना है कि भारत तभी विकसित होगा जब बिहार समृद्ध होगा। आज से 2000 वर्ष पूर्व इस धरती ने देश को स्वर्णिम काल दिया। लगभग 200 वर्षों तक बिहार शासन का केन्द्र रहा जिसे स्वर्णिम काल के रूप में जाना जाता है। बीच के कालखंड में आक्रांताओं ने भारत आकर सिर्फ लूटपाट मचायी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ0 श्रीकृष्ण सिंह ने बिहार के विकास के लिए काफी काम किया। वर्ष 1962 से 90 के बीच जो मुख्यमंत्री रहे उनका कार्यकाल मात्र एक से डेढ़ वर्ष के बीच ही रहा। उन्होंने कहा कि हमें पूरी व्यवस्था बदल कर सामाजिक

संरचना खड़ा करते हुये लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना है, तभी बिहार समृद्ध होगा। बिहार दुनिया का सबसे अधिक घनत्व आबादी वाला राज्य है। पिछले 20 वर्षों से अपने संसाधन से बिहार का ग्रोथ रेट डबल डिजिट में रहा है। भारत सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में जब हम नगर विकास मंत्री थे उससे पहले कंपनी सचिव नहीं हुआ करते थे। हमने बुडको के साथ इसे जोड़ने का काम किया। बिहार से जुड़े जो भी चार्टर्ड अकाउंटेंट स्टॉक शेयर या कंपनी सचिव हैं बिहार को समृद्ध बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। आप सभी का सहयोग जिस दिन ताकत बन गई, बिहार देश का अग्रणी राज्य बन जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में बिजली, पानी, सड़क सहित सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सरकार ने हर घर तक पहुंचाया है। अगले 5 वर्षों में हमारे बिजली उत्पादन की क्षमता काफी बढ़ जाएगी। बिहार के बिजली उपभोक्ताओं को अगले 30 साल बाद भी बिजली आपूर्ति की जितनी जरूरत होगी, उतनी बिजली उत्पादन की क्षमता हम अगले 2 साल में पूरा कर लेंगे। बड़ी संख्या में यहां उद्योग भी स्थापित हो रहे हैं, उसके लिए भी बिजली की आवश्यकता पड़ेगी जिसको ध्यान में रखते हुए काम किया जा रहा है। हम लोग बिजली सब्सिडी के रूप में उपभोक्ताओं को 23000 करोड़ रूपया दे रहे हैं जो देश में सबसे ज्यादा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 85 प्रशित लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। देश के किसी भी कोने में आप कश्मीर से कन्याकुमारी तक चले जाएं सबसे अच्छी ग्रामीण सड़क आपको बिहार में ही मिलेगी। शहरी क्षेत्रों में भी सड़कों को बेहतर बनाया जा रहा। उन्होंने कहा कि आज से 30–40 वर्ष पहले प्रतियोगिता दर्पण में यह सामान्य ज्ञान हुआ करता था कि एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनी कंकड़बाग, पटना है। हमलोग 12 नई टाउनशिप विकसित कर रहे हैं इसके लिए 6 लाख 25 हजार एकड़ भूमि पर काम शुरू किया जा रहा है। जिसमें 6.5 लाख करोड रुपए का निवेश आने वाला है। विकसित होनेवाले 12 टाउनशिप में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल पार्क भी विकसित किया जाएगा। इसमें जिन लोगों की जमीन अधिग्रहित होगी उन्हें सरकार उचित मुआवजा देगी। हमने कहा है कि किसी व्यक्ति की जमीन टाउनशिप क्षेत्र में आती है और उनके घर में अगर बेटी की शादी है या वह किसी भी विपदा से जूझ रहे हैं तो वे डी0एम0 को आवेदन दें। उनके खाते में मुआवजे की राशि तत्काल भेजी जाएगी ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिये पिछले कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया है। पहले ऐसी व्यवस्था थी कि आवेदन देने के बाद भी नगर निगम और अग्निशमन में आवेदन लंबित रहते थे। अब हमने ऐसी व्यवस्था बनाई है कि उद्योग या स्टार्टअप लगाने के लिए आवेदन देने के 30 दिनों के अंदर क्लियरेंस मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में नगर विकास एवं आवास विभाग का मंत्री रहते हुए हमने ऐसी व्यवस्था बनायी है कि बिल्डिंग बायोलॉजी के तहत निजी जमीन पर मकान बनानेवाले को 60 दिन के अंदर परमिट मिल जाय। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने सहयोग शिविर कार्यक्रम शुरू किया है जिसमें अब तक तीन लाख आवेदन आ चुके हैं। उनमें से 2 लाख 40 हजार आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। मुख्यमंत्री कार्यालय से यह सीधा निर्देश है कि 30 दिन के अंदर यदि आवेदन का निष्पादन नहीं होता है तो 31वें दिन संबंधित पदाधिकारी स्वतः निलंबित हो जाएंगे। इसमें एसी व्यवस्था बनायी गयी है कि आवेदन प्राप्ति के 10 दिन तक यदि निष्पादन की कार्रवाई शुरू नहीं होती है तो पहली नोटिस मुख्यमंत्री कार्यालय से संबंधित पदाधिकारी को भेजी जाती है। 20 दिनों के बाद दूसरी नोटिस और 25 दिनों के बाद तीसरी नोटिस निर्गत की जाती है। इसके बावजूद यदि 30 दिनों में आवेदन का निपटारा नहीं होता

है तो 31वें दिन संबंधित पदाधिकारी के विरूद्ध निलंबन का आदेश स्वतः निर्गत हो जाता है। इसमें किसी और के आदेश की आवश्यकता नहीं होती है। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि भरोसे की च्वॉइस पर बिहार खरा उतरेगा। बिहार के लोगों ने लंबा इंतजार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अब कोई अपराधी पुलिस को चुनौती देता है तो 24 से 48 घंटे में हमारी पुलिस उसे जवाब देती है। अपराधियों के नस्लों और पीढ़ियों को तोड़ने का काम पुलिस कर रही है। समाज क़ो उन्नति, सदभाव और समृद्धि का रास्ता दिखाना है। मेरा मानना है कि चार्टर्ड अकाउंटेंट और कंपनी सेक्रेटरी बिहार को विकसित और समृद्ध बनाने का रास्ता दिखायेंगे क्योंकि कोई व्यक्ति यदि बिहार में उद्योग या स्टार्टअप शुरू करना चाहता है तो वह पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट या कंपनी सेक्रेटरी के पास ही जाता है। उन्होंने कहा कि अब जे0पी0 गंगा पथ पटना का लाइफ लाइन बन गया है। इसे बनाने में 13 वर्ष लगे हैं। 21 किलोमीटर लंबे इस पथ के निर्माण में 6000 करोड़ रूपये खर्च हुआ है। अब हमलोग गंगा और सोन नदी के ऊपर 126 किलोमीटर पथ बना रहे हैं। इसमें मुंगेर और भागलपुर के बीच 83 किलोमीटर जबकि दीघा से कोईलवर तक पथ बनेगा। इस पथ का निर्माण पी0पी0पी0 मोड पर अगले तीन वर्षों में किया जायेगा। इस परियोजना में बिहार का सिर्फ 40 प्रतिशत पैसा खर्च होगा। उन्होंने कहा कि हम लोग तीन एक्सप्रेस–वे भी बना रहे हैं। सोनपुर से गोपालगंज के बीच नारायणी पथ का निर्माण कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये सरकारी अधिकारियों और कर्मियों के बिहार भ्रमण की व्यवस्था लागू की है ताकि हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को जाने और नजदीक से देखें। बिहार की समृद्धि तभी संभव होगी जब हम अपने विरासत को समझेंगे। बाल्मीकि नगर टाइगर रिजर्व, राजगीर, भीम बांध, मुंगेर का योग आश्रम, भागलपुर का विक्रमशिला विश्वविद्यालय, सीतामढ़ी का पुनौरा धाम, बोधगया जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त कर दुनिया को शांति का संदेश दिया, गयाजी में सनातन धर्म के लोगों को मोक्ष प्राप्त होता है, वहां विष्णु पद मंदिर भी है। सोनपुर के हरिहरनाथ में भगवान विष्णु और भगवान शिव के बीच मल्ल युद्ध हुआ था। हमने कहा है की ऐसे महत्वपूर्ण स्थलों को इसके तहत शामिल किया जाय। उन्होंने कहा कि 6 माह पहले जब हम गृह मंत्री थे तो जैन धर्म के लोगों ने मुलाकात की थी। शीतला मंदिर के पीछे 200 करोड़ रूप्ये की लागत से भगवान महावीर का मंदिर बन रहा है। अगले 6 माह में वह बनकर तैयार हो जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जी0 बिजनेस ने भरोसे की च्वॉइस कार्यक्रम शुरू की है यह बिहार की उन्नति और समृद्धि का रास्ता खोलेगा। 1990 से 2005 के कालखंड में बिहार काफी पीछे छूट गया है। 24 घंटे में 20 घंटे हम सब को काम करना होगा, न सोना है, न सोने देना है, न खाना है, न खाने देना है तभी बिहार समृद्ध होगा। जी बिजनेस ने बिहार पर भरोसा किया है, जिस ट्रैक पर बिहार चल पड़ता है वह पीछे मुड़कर नहीं देखता। बिहार को समृद्ध बनाते हुये हमें अपने गौरवशाली अतीत को प्राप्त करना है। हमलोग बिहार को समृद्ध और विकसित बनाने के लिये निरंतर काम कर रहे हैं। हमें बिहार के गौरवशाली अतीत को पुनः प्राप्त करना है।

इस अवसर पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ0 प्रेम कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ0 दिलीप कुमार जायसवाल, जी0 बिजनेस के प्रबंध सम्पादक श्री अनिल सिंघवी, च्वाइस इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री कमल पोद्दार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं उद्योग जगत से जुड़े बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

******